RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2018-2020

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 4 अंक : 05 | लखनऊ, शुक्रवार, 6 नवम्बर 2020 से 5 दिसम्बर 2020 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 10 रूपये

सम्पादक की कलम से ...

मेरे फोटोग्राफर साथियो,

साथियो स्टूडियो न्यूज़ के नवंबर 2020 अंक के साथ हम आपके समक्ष है। त्योहारों का मौसम अब पूरे शबाब पर है और महामारी में गिरावट के संकेत मिल रहे हैं। यह पिछले आठ महीनों की सबसे अच्छी खबर है। इमेजिंग पक्ष पर, बाजार में नए कैमरे, लेंस एवं ऐसेसरीज उपलब्ध हो रहे हैं। निकॉन, कैनन, फुजीफिल्म, पैनासोनिक और सोनी ने बाजार में तूफान ला दिया है। यदि आपको एक लेंस की आवश्यकता है, तो टैमरॉन ने गुणवत्ता वाले लेंस लॉन्च किये हैं। आइए उम्मीद करते हैं कि पिछले कुछ महीनों की उदासीनता और सुस्ती हम पीछे छोड़ कर हम जिस कार्य को सबसे ज्यादा प्यार करते हैं, तस्वीरें लेना, उसे करने के लिए तैयार रहें। काफी समय के बाद काम करने का मौका आया है, साथ में अपने व्यवसाय को भी सँभालने का समय है। महामारी की वजह से जो पिछले आठ महीनों से मार्केट में जो सन्नाटा था वो अब धीरे-धीरे छटने लगा है एवं उम्मीद करते है कि पूरा विश्व इस मुसीबत से जल्दी बाहर आएगा। कोई फर्क नहीं पड़ता कि जीवन कितना बुरा हो सकता है, हम हमेशा उज्ज्वल पक्ष को देखने की कोशिश कर सकते हैं। साथियो भले ही महामारी में गिरावट देखी जा रही है परन्तु हम सभी को अभी भी सजग रहना है। मास्क पहने, अपने हाथ को बार बार धोये एवं 2 फ़ीट की दूरी बना कर रखे। हम लोग सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन को फॉलो करके ही इस महामारी से छुटकारा पा सकते है।

फोटोग्राफर साथियों को चाहिए कि अपने कार्य को पूरी ईमानदारी से करें एवं कार्य को जल्दी पूरा करके अपने ग्राहक तक पहुँचाये जिससे आपको भुगतान समय पर हो सके। वेडिंग फोटोग्राफी में नयापन लाना जरूरी है ये तभी संभव है जब आप लोकेशन में अलर्ट रहेंगे। वेडिंग फोटोग्राफी एक लाइव इवेंट है, जो शॉट निकल गया उसको दोबारा लाना मुश्किल है, वो तभी संभव है जब आप अलर्ट रहे और शॉट दिखते ही उसको कैप्चर कर सकें। वेडिंग शूट करने के बाद डाटा को सही ढंग से स्टोर करें। कोशिश करें कि डाटा दो जगह स्टोर हो। कोई भी कार्ड फॉर्मेट करने से पहले ये सुनिश्चित कर लें कि वो डाटा कॉपी हो गया है कि नहीं। डाटा को चेक करने के पश्चात ही कार्ड में से डाटा को डिलीट करें। आजकल वेडिंग मल्टी कैमरे से शूट होती है, ये भी सुनिश्चित कर लें कि सारे कैमरे का डाटा कॉपी हो गया है। वेडिंग सीजन के समय फोटोग्राफर साथी सभी बिजी होते है इसलिए कोशिश कीजिये कि आपका डाटा तुरंत कॉपी हो जाये, अगर मिस हो गया तो सीजन के समय उस कार्ड में इतने इवेंट लोड हो जाते है कि उसमें से डाटा रिकवर करना मुश्किल हो जाता है। थोड़ी सी लापरवाही आपको मुसीबत मे डाल सकती है। जब समय मिले तब जल्दी से अपने कार्य को पूरा करने की कोशिश कीजिये। जब तक आप अपने कार्य से संतुस्ट न हो जाये तब तक उसको ग्राहक के पास मत भेजिए। कार्य को पूर्ण रूप से फिनिश करके ही भेजिए, जिससे ग्रहक को शिकायत का मौका न मिले और आपका भुगतान समय पर हो जाय।

त्यौहार का सीजन होने की वजह से मार्केट में चहल पहल रहती है अपने व्यवसाय मे कुछ नयापन ला कर नए ग्राहक बनाये जा सकते है। अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के साथ-साथ अपने एवं अपने परिवार के स्वस्थ का भी पूरा ध्यान रखना आपका कर्त्तव्य है। त्यौहार में कुछ नया खींचने की आदत डालिये, जब आप कुछ नया करने की कोशिश करते है तभी आप को नए आइडियाज आते है, उन नए आइडियाज को अपनाने से आपके कार्य में नयापन आता है जो आपके ग्राहक को आकृष्ट करता है।

आप सभी को सपरिवार सहित दीपावली की हार्दिक शुभकामनायें। आप सब लोग सुखी एवं स्वस्थ रहे ऐसी कामना करते है। शेष अगले अंक में।

सुरेंदर सिंह बिष्ट
सम्पादक

TAMRON ने 1 नवंबर 2020 को अपना 70 वाँ स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर कंपनी ने एक नया स्लोगन दिया "FOCUS ON THE FUTURE"। कंपनी आर.एस.एम. प्रभात झा ने बताया कि कंपनी ने इस अवसर पर डॉ. एन.के. पांडे (प्रयागराज) के मेंटर-शिप में एक तीन दिवसीय वाइल्ड लाइफ फोटो टूर पन्ना टाइगर रिजर्व में आयोजित किया। इसके अलावा दीवाली के अवसर पर फोटोग्राफर्स को स्पेशल फेस्टिवल डिस्काउंट भी दिया जा रहा है।

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

डेल ने एलान किए अपने 5K 31.5 इंच अल्ट्रा शार्प एचडीआर डिस्प्ले 2 K मिनी एलईडी डिमिंग ज़ोन व दो अन्य मॉनिटर के साथ

डेल ने अपने तीन नए मॉनिटर का एलान किया है, इसमें नया 4 K (3840 × 2160, 16:9) 31.5" अल्ट्राशार्प एचडीआर प्रीमियर कलर डिस्प्ले भी शामिल है, 2000 ज़ोन मिनी एलईडी एरे व बिल्ट इन कलर कैलिब्रेटर के साथ।

लाइम वन कम्पैक्ट है, कैमरे के शो माउंट में इसका लाइट मीटर प्रयोग करने में बेहद आसान है

जर्मन मैकाट्रॉनिक्स इंजीनियर जोहानस हेबेरलीन ने किकस्टार्टर पर लॉन्च की है नई फोटो एसेसरी, वह है लाइम वन कम्पैक्ट हॉट शो लाइट मीटर। यह मीटर प्रयोग करने में बेहद आसान है व रियल टाइम में रीडिंग भी अपडेट करता है।

एप्पल 5जी आइफोन 12, आइफोन 12 मिनी डिवाइस छोटी व हल्की ज़रूर है, लेकिन बेहद मजबूत है

एप्पल ने स्मार्टफोन में अपनी नई एंट्री के बारे में बताया है, यह हैं आइफोन 12 व आइफोन 12 मिनी। स्क्रीन साइज के अलावा यह दो डिवाइस देखने में एक जैसी हैं, इनमें नया डिस्प्ले टेक है व बेहतर प्रोसेसर तथा 5जी कनेक्टिवटी भी है।

कंटेंट क्रिएटर्स व फोटोग्राफर्स के लिए सैमसंग लाया है नया एसडी कार्ड

सैमसंग ने अपनी नई एसडी कार्ड प्रोडक्ट लाइन के बारे में एलान किया: प्रो प्लस व ईवीओ प्लस। यह नए कार्ड लंबे चलते हैं।

कैनन की नई फ्लैगशिप ईएल-1 स्पीडलाइट फ्लैश अपडेटेड इंटरफेस व नए रचनात्मक विकल्पों के साथ आती है

कैनन ने एलान किया ईएल 1 सपीडलाइट का, यह एक हाई एंड ऑन व ऑफ कैमरा फ्लैश है जो कि रिचार्जएबल बैट्री पैक के साथ आता है। क्रिएटिव में इस्तेमाल किए जाने के लिए बेहद न्यूनतम पावर सेटिंग की जरूरत होती है।

फूजीफिल्म लाया एक्स-एस10 छह स्टॉप इन-बॉडी स्टैबलाइजेशन के साथ

नया एक्स एस10 में एक्स टी4 की सभी इमेजिंग वस्तुएं हैं व इसकी बॉडी छोटी है तथा इसमें अलग डिजाइन में 5 एक्सिस आइबीआइएस यूनिट है।

सोनी का इमेजिंग एज वैबकैम यूटिलिटी अब मैकओएस में भी, अपडेट किया विंडोज वजर्न

तीन दर्जन सोनी के कैमरे सिस्टम अब मैकओएस कम्प्यूटर में आधुनिक इमेजिंग एज वेबकैम यूटिलिटी के जरिए बतौर वेबकैम उपयोग किए जा सकेंगे।

12 बिट 4K/30P प्रो रेस रॉ से निकॉन जेड 6 II, जेड 7 II कैमरे में लाने के लिए ऑटोमॉस अब निंजा वी अपडेट पर काम कर रहा है

जैसा कि ऑटोमॉस पिछले कई सालों में कई कैमरों पर कर चुका है, इस बार वह प्रो रेस रॉ रिकॉर्डिंग एचडीएमआई से निकॉन के नए जेड 6II, जेड 7 II मिररलेस कैमरे में ला रहा है।

कलर ग्रेडिंग व अन्य फीचर्स के साथ अडोब लाइटरूम क्लासिक 10.0

अडोब ने रिलीज किया आधुनिक अपडेट लाइटरूम क्लासिक में, फोटो एडिटर व ऑर्गेनाइजर को वजर्न 10.0 में लाते हुए। नए वर्जन में बेहतर प्रदर्शन है, नया कैमरा व लेंस सपोर्ट के अलावा नए कलर ग्रेडिंग का फीचर भी है।

एचपी लाया आठ नए मॉनिटर अडोब मैक्स 2020 क्रिएटिव प्रोफेशनल्स के लिए

इस लाइनअप में हैं दो नए ड्रीम कलर डिस्प्ले जो कि इस माह में डेल द्वारा लॉन्च किए अल्ट्राशॉप मॉनिटर के प्रतियोगी हैं।

राजस्थान के अजमेर की 6 वर्षीय खोर्वी जोशी बनी ग्रैंडमास्टर'

राजस्थान की सबसे छोटी 'नेचुरल फोटोग्राफर' खोर्वी जोशी को उनकी विशेष प्रतिभा प्रदर्शन के लिये "इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्डस" और "एशिया बुक ऑफ रिकॉर्डस" की तरफ से ग्रैंडमास्टर की उपाधि से सम्मानित किया गया।

खोर्वी जोशी को यह सम्मान विश्व फोटोग्राफी दिवस के दिन मात्र 132 मिनट में 1000 फ़ोटो क्लिक करने के कारण प्राप्त हुआ।

प्रकृति प्रेमी खोर्वी की प्रत्येक फ़ोटो में प्रकृति संरक्षण का संदेश छुपा होता है।

खोर्वी अपनी इस सफलता का श्रेय अपने परिवार और ए ब्रेन कोच संस्था को देती है जिसमें बच्चों की जन्मजात विशेष प्रतिभा का पता लगाकर उसे निखारने का कार्य तथा मार्गदर्शन दिया जाता है।

खोर्वी के पिता अखिलेश जोशी ने बताया जिस उम्र में बच्चे फोन में उलझे रहते है उस उम्र में उनकी बेटी कुछ अलग करने की कोशिश कर रही है उन्होंने बताया कि खोर्वी 2 वर्ष की उम्र में ही प्रोफेशनल कैमरा हाथ में थाम चुकी थी और घर से बाहर निकल के प्रकृति के अद्भुत दृश्यों को अपने कैमरे में कैद कर लेती है।

वे चाहते है कि पुरूषों के वर्चस्व वाले इस क्षेत्र में खोर्वी एक अलग मुकाम हासिल करे इसके लिये वह उसकी प्रतिभा को निखारने की हरसंभव कोशिश करेंगे।

निकॉन इंडिया ने लॉन्च किया नया मिररलेस कैमरा Nikon Z 6II

लखनऊ में आर.एस. डिस्ट्रीब्यूटर के ओनर प्रदीप अग्रवाल, निकॉन के एरिया मैनेजर सच्चिदानन्द यादव तथा सीनियर फोटोग्राफर अनिल रिसाल सिंह, त्रिलोचन कालरा एवं रवि कपूर ने केक काटकर इस कैमरे की लॉन्चिंग की।

STUDIO NEWS
लखनऊ, मंगलवार, 6 शुक्रवार 2020 से 5 दिसम्बर 2020

चित्रकला वास्तव में व्यवसाय नहीं है। यह तो मन के आंतरिक भावों की अभिव्यक्ति का माध्यम है। - रघु राय

फैशन फोटोग्राफी

फैशन फोटोग्राफी क्या है और कैसे करना चाहिए इसके बारे में बता रहे हैं जाने माने फोटोग्राफर

- आर. प्रसन्ना

फैशन फोटोग्राफी हर जगह और बहुत लोकप्रिय है। आप पुरूषों और महिलाओं के विभिन्न कपड़े पहने हुए सैकड़ों चित्र देखेंगे, कपड़े, सामान और जूते जिनमें आप तरह-तरह के फोटो देख सकते हैं।

फोटोग्राफी के सबसे बड़े, सबसे लाभदायक क्षेत्रों में से एक फैशन फोटोग्राफी है। चाहे वह न्यूयॉर्क, पेरिस, लंदन या मुंबई के प्रमुख फैशन हाउस और फैशन पत्रिकाएं फैशन फोटोग्राफर की तलाश में रहती हैं। आपको यह समझना चाहिए कि फैशन फोटोग्राफी एक टीम प्रयास है जिसमें एक मॉडल, फैशन डिजाइनर, स्टाइलिस्ट शामिल हैं जो सामान चुनते हैं, डिजाइनर सेट करते हैं, मेकअप आर्टिस्ट, हेयर स्टाइलिस्ट, स्टूडियो सहायक और प्रोडक्शन टीम। फैशन फोटोग्राफी एक विशाल जहाज की तरह है जिसे समुद्र में चलना पड़ता है और फैशन फोटोग्राफर जहाज के कप्तान के समान होता है। फैशन फोटोग्राफी मे शूटिंग के पूर्व बहुत सारी तैयारियां करनी पड़ती हैं। फ़ैशन फ़ोटोग्राफ़ी की दुनिया में बहुत तेजी से बदलाव आता है। यह चित्रांकन, पोज़िंग, व्यापक प्रकाश व्यवस्था और सुंदर लोकेशन पर निर्भर करती है।

फैशन फोटोग्राफी के लिए एक शानदार कैमरा होना बहुत महत्वपूर्ण है। लेकिन यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि आप इन चित्रों का इस्तेमाल कहाँ कर रहे हैं। क्या वे संपादकीय उद्देश्यों के लिए हैं? फिर एक APS-C DSLR या मिररलेस कैमरा पर्याप्त है। यदि उन तस्वीरों का प्रयोग शहर के क्षितिज या होर्डिंग्स के लिए किया जाना है तो एक अच्छे रिज़ॉल्यूशन का फुल फ्रेम DSLR या मिररलेस कैमरे का प्रयोग किया जाता है। ये सभी प्रश्न आपके उपकरण की जरूरतों को प्रभावित करते हैं। लेकिन बहुत सारे लोगों को लगता है कि उनके पास सही कैमरा नहीं है, लेकिन वास्तव मे ऐसा नहीं है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि एक कैमरा एक कैमरा है, जो हमारी जरूरतों को पूरा करता है।

आपके कैमरा गियर और लेंस के अलावा, कुछ अन्य चीजें भी हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी। संभावना है कि आप केवल स्टूडियो में ही नहीं बल्कि आउटडोर लोकेशन पर फोटोग्राफी करेंगे। ऑउटफिट फैशन शूट बहुत रोमांचक हैं, लेकिन दिन के उजाले के रूप में इसको निष्पादित करना बहुत ही चुनौतीपूर्ण हैं। आउटडोर स्ट्रोब जैसे गोडोक्स AD600 Pro या AD400 Pro जैसे उपकरण आउट डोर फोटोग्राफी मे सही शॉट पाने के लिए के लिए आवश्यक हो जाते है।

जब लाइट की बात आती है तो मैं लाइट के साथ बहुत सारे प्रयोग करता हूँ और आप देख सकते हैं कि मैं अपने शॉट्स में लाइट के साथ बहुत खेलता हूँ।

एक 85mm लेंस है, इसके अलावा मेरे पास एक बहुमुखी 70-200 मिमी और यदि मैं पोर्ट्रेट शूट करना चाह रहा हूँ तो 24 मिमी का लेंस होना चाहिए।

फैशन फोटोग्राफी शूटिंग कोई छोटी उपलब्धि नहीं है, इसलिए मैं लाइटिंग, सहायक उपकरण विशेष रूप से रंगो के उपयोग जिसका उपयोग शॉट में किया जाना है, पर टीम के साथ एक मूड बोर्ड बनाना पसंद करता हूँ। टीम के साथ संभावित चर्चा जो बहुत ही महत्वपूर्ण है, ताकि सभी को पता चले उन्हें क्या करना है और एक आउट डोर शूटिंग के संबंध में, शूटिंग से तीन दिन पूर्व उस स्थान का दौरा करना चाहिए, और सूर्योदय का समय, प्रकाश की दिशा, छाया, पोशाक बदलने के लिए उपयुक्त जगह जैसी चीजें तय की जा सकती हैं। शूटिंग के दिन आपको मॉडल और उनके व्यक्तित्व का प्रबंधन करने के लिए प्रोडक्शन टीम का व्यवस्थित और उत्साह में रहने की आवश्यकता है।

यह सब मानसिक और शारीरिक रूप से थका देने वाला होता है, अतः आपका आत्मविश्वास ही एक समय में कई मुद्दों को सुलझाने में मदद करता है ।

फोटो शूट के बाद, फ़ोटो को कुशलता से संपादित करना बहुत महत्वपूर्ण है ताकि तैयार फ़ोटो प्रभावशाली लगे और जिसकी वजह से आपको बहुत काम मिले। अभ्यास करते रहें और आपको कड़ी मेहनत का परिणाम मिलेगा और आप परिणामों से खुश होंगे। हैप्पी क्लिकिंग

बोधगया - ट्रैवल फोटोग्राफर्स के लिए एक गंतव्य

बोधगया बिहार में गया के पास स्थित है। बोधगया जाने के लिए नजदीक में गया में ही रेल लिंक है। यह गया से लगभग 15 किलोमीटर और पटना से 110 किलोमीटर दूर है। विभिन्न देशों जैसे भूटान, तिब्बत, थाईलैंड आदि में बुद्धवाद को बढ़ावा देने के लिए अपना मठ है।

यह यात्रा फोटोग्राफरों के लिए एक अद्भुत गंतव्य है। मैं व्यक्तिगत रूप से हर साल सर्दियों के समय पर बोधगया जाता हूँ। दिसंबर से फरवरी के अंत तक सर्दियों के दौरान, दुनिया भर के भिक्षु बोधगया आते हैं। इसलिए, एक ट्रैवल फोटोग्राफर के रूप में, हम विभिन्न देशों के भिक्षुओं को देख सकते हैं। भिक्षु प्रार्थना के दौरान अनूठे प्रकार का संगीत वाद्ययंत्र का उपयोग करते हैं। आप चित्र-1 और 2 देख सकते हैं।

बोधगया में मंदिर बहुत बड़े क्षेत्र में बना हुआ हैं। एक पीपल का पेड़ है जहाँ बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ। भिक्षुओं को प्रार्थना करने के बड़ी संख्या में बुद्ध प्रतिमाएं भी हैं। चित्र-3 देखें।

चित्र-1

चित्र-2

चित्र-3

महाबोधि मंदिर (यह यूनेस्को की विश्व प्रसिद्ध धरोहर स्थल है), एक प्राचीन मंदिर है। महाबोधि मंदिर एक ऐसा स्थान है, जहाँ बुद्ध के बारे में कहा जाता है कि उन्हें आत्मज्ञान की प्राप्ति हुई थी। मुख्य बुद्ध मंदिर मुख्य द्वार पर ही स्थित है। चित्र-4 देखें।

चित्र-4

भूटान, तिब्बत, बर्मा, बांग्लादेश, जापान, श्रीलंका, चीन और ताइवान के मठ हैं। बोधगया के तिब्बती शैली के मठों में सबसे प्रभावशाली तिब्बती बौद्ध धर्म के करमापा स्कूल का टेगर मठ है। करमापा अक्सर यहां निवास करते हैं और लोगों को शिक्षा देते हैं। मैंने टेगर मठ में तिब्बत के कुछ चेहरों को अपने कैमरे द्वारा कैप्चर किया है। चित्र 5 देखें।

चित्र-5

भिक्षु ध्यान के लिए चावल के दाने का उपयोग करते हैं। (चित्र-6)

चित्र-6

कुछ भिक्षु ध्यान के दौरान प्रार्थना व्हील का उपयोग करते हैं। (चित्र-7)

चित्र-7

कालचक्र, हर साल फरवरी में मनाया जाने वाला सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक अवसर है। यह अवसर ट्रैवल फोटोग्राफरों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि विभिन्न वेशभूषा में महाबोधि मंदिर में विभिन्न देशों के हजारों भिक्षु आते हैं। यह सभी चित्र बोधगया में कैप्चर किए गए हैं। चित्र 8 में देखिए महाबोधि परिसर के अंदर जब एक भिक्षु ध्यान केंद्रित कर रहा था।

चित्र-8

चित्र-9

क्लोजअप में प्रार्थना व्हील (चित्र-9)

बोधगया के आसपास के दर्शनीय स्थल

महाकाल गुफाएं : महाकाल गुफाओं को डूंगेश्वरी गुफाओं के रूप में भी जाना जाता है, जो बोधगया से 12 किमी उत्तर पूर्व में स्थित हैं। यहाँ पर बुद्ध ने गंभीर तपस्या की निरर्थकता का एहसास किया और इसके बजाय आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए एक 'मध्यम मार्ग' पर चल पड़े। इस बोध के बाद, उन्होंने बोधगया में ध्यान करने के लिए अपना रास्ता बनाया जहाँ उन्होंने निर्वाण प्राप्त किया।

नालंदा विश्वविद्यालय : प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय बोधगया से 70 किमी की दूरी पर स्थित है। विश्वविद्यालय 1500 साल पहले सीखने के लिये एक प्रमुख जगह थी। खूबसूरती से संरक्षित यह संरचना अब यूनेस्को की विश्व धरोहर है।

राजगीर : राजगीर बिहार के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। यह माना जाता है कि यह 3000 साल पुराना है और इसका उल्लेख महाभारत में भी मिलता है। यह शहर भगवान महावीर और भगवान बुद्ध दोनों का घर था - इस प्रकार कई बौद्ध और जैन पुरातात्विक स्थल थे।

मुकेश श्रीवास्तव
FIE, FFIP, EFIAP
इंजीनियर, फोटोग्राफर, लेखक,
पूर्व निदेशक (ई), भारत सरकार
निदेशक, सेण्टर फॉर विजुअल आर्ट्स
निकॉन मेण्टर (2015-2017)
एवं अध्यक्ष, धनबाद कैमरा क्लब

STUDIO NEWS
लखनऊ, मंगलवार, 6 शुक्रवार 2020 से 5 दिसम्बर 2020

एक फोटोग्राफ सच्चाई का चरम है क्योंकि तस्वीरें कभी झूठ नहीं बोलती। - मलिक सिदिबे

महान विभूतियाँ

डॉ. नीरूशवालिया भगवानदास

Hon. EFIAP, FPSA, ESFIAP, Hon. FACE, Hon. FPS, Hon. FIP, EFAPA

(1919 - 2001)

'द लीजेंड ऑफ द पास्ट' की श्रृंखला के तहत स्टूडियो न्यूज का यह अंक डॉ. एन. भगवानदास को समर्पित है, जो न केवल बहुत उत्साही और समर्पित चित्रात्मक फोटोग्राफर थे, बल्कि फेडरेशन ऑफ इंडियन फोटोग्राफी के पूर्व अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश राज्य अकादमी ऑफ फोटोग्राफी के संस्थापक अध्यक्ष भी थे।

डॉ. नरूषवालिया भगवानदास का जन्म 29 मार्च 1919 को कासरगोड में हुआ था। उन्होंने अपनी 39 वर्ष की प्रतिष्ठित सेवा में वायु सेना में 6 साल काम किया और 30 वर्ष भारतीय प्रशासनिक सेवा के अन्तर्गत आंध्र प्रदेश में कार्य किया जिसमें से 4 वर्ष उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव के रूप में कार्य किया। सेवानिवृति के पश्चात् आंध्र प्रदेश के सतर्कता आयुक्त के रूप में 3 वर्ष तक कार्य किया।

डॉ. एन. भगवानदास के जीवन में फोटोग्राफी बहुत महत्वपूर्ण और अभिन्न अंग रहा है। वह देश के एकमात्र राष्ट्रीय फोटोग्राफी संस्था 'फेडरेशन ऑफ इंडियन फोटोग्राफी' के पूर्व अध्यक्ष थे। वह फोटोग्राफी में भारत की पहली अकादमी 'आंध्र प्रदेश राज्य एकेडमी' के संस्थापक अध्यक्ष थे, साथ ही उन्होंने आन्ध्र प्रदेश में कई कैमरा क्लबों और एसोसिएशनों के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

1965 में फोटोग्राफी के प्रतिष्ठित और दुर्लभ सम्मान A.F.I.A.P. (आर्टिस्ट FIAP) प्राप्त किया। 1967 में भारत में फोटोग्राफी की कला और विज्ञान के विकास में उनकी निरंतर और विशिष्ट सेवा के लिये इंटरनेशनल बॉडी ऑफ़ फ़ोटोग्राफ़रों द्वारा E.S.F.I.A.P. (एक्सीलेंस सर्विस फेडरेशन इंटरनेशनल डी ला आर्ट्स फोटोग्राफिक) सम्मान प्राप्त करने वाले पहले भारतीय थे। फिर 1970 में, उन्हें प्रतिष्ठित Hon. EFIAP (ऑनोरेरिया फेडरेशन इंटरनेशनेल डी ला आर्ट्स फोटोग्राफिक) से सम्मानित किया गया। PSA (फोटोग्राफिक सोसाइटी ऑफ अमेरिका) द्वारा आयोजित इंटरनेशनल क्लब बुलेटिन कॉन्टेस्ट में उनके द्वारा संपादित "लेन्सलाइट" नामक फोटोग्राफिक पत्रिका ने 11 शीर्ष पुरस्कार जीते। वह कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सैलून के लिए एक आयोजक, प्रदर्शक और जज भी थे।

कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट्स एंड आर्किटेक्चर, हैदराबाद में फोटोग्राफी में दो साल का डिप्लोमा कोर्स को उनकी पहल और मार्गदर्शन में शुरू किया गया। जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय, हैदराबाद ने डॉ. एन. भगवानदास को भारत में फोटोग्राफी के विकास के लिए फरवरी 1976 में डॉक्टर ऑफ सांइस की उपाधि से सम्मानित किया।

स्काउटिंग एक अन्य क्षेत्र था जिसमें उन्होंने खुद को प्रतिष्ठित किया। उन्होंने आंध्र प्रदेश भारत स्काउट्स और गाइड्स के उपाध्यक्ष के रूप में दो दशकों तक सेवा की। उन्होंने भारतीय रेड क्रॉस में सक्रिय रूप से भाग लिया और IRC के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

डॉ. भगवानदास को उनके पुरातत्व के प्रति लगाव को देखते हुये तत्कालीन मद्रास सरकार द्वारा उन्हें मद्रास संग्रहालय के मानद संवाददाता के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें दो जिला संग्रहालय के निर्माण, जिसमें एक गुंटूर में और दूसरा आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में, के लिये श्रेय दिया जाता है।

हम सभी जानते हैं कि कुछ समय के लिए भारतीय वायु सेना की सेवा करने के बाद, वह एक IAS बन गए और कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर रहे और अंततः चार साल तक आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव के रूप में सेवानिवृत्त हुए। हम बहुत अच्छी तरह से कल्पना कर सकते हैं कि वह कितने व्यस्त व्यक्ति हो सकते हैं, लेकिन वह हमेशा अपने जुनून - फोटोग्राफी के लिए समय निकालने में सक्षम थे। मैं उनकी बेटी शीला शरथ को उद्धृत करना चाहूंगा, जो कहती है कि, "मेरे पिता जी फोटोग्राफी को जिया करते थे। उनका कैमरा उनको ही प्रतिबिम्बित करता था। दोनों एक दूसरे के पूरक थे, सदैव एक दूसरे के पास होते थे। जब मैं छोटी बच्ची थी तब मैं जब भी फोटोग्राफिक सफ़ारी पर गयी और मैंने अनुभव किया कि उनके द्वारा ली गयी B & W तस्वीरें डार्क रूम में जीवंत हो जाती थी। विदित हो कि जब उनके प्रशासनिक कार्य का वर्कलोड बढ़ जाता था और वह शिथिलता महसूस करते थे तब वह अपने छायाचित्रों को देखा करते थे, जिसके फलस्वरूप वह अपने में नई स्फूर्ति और ऊर्जा का संचार महसूस करते थे"।

एक कुशल प्रशासक के रूप में, एक फोटोग्राफर के रूप में और एक अच्छे इंसान के रूप में उन्होंने अपना जीवन गरिमा, सादगी और अनुग्रह के साथ जिया। डा. एन. भगवानदास 82 वर्ष की आयु में सन् 2001 में इस नश्वर संसार से विदा लेकर ब्रह्मलोक में विलीन हो गये।

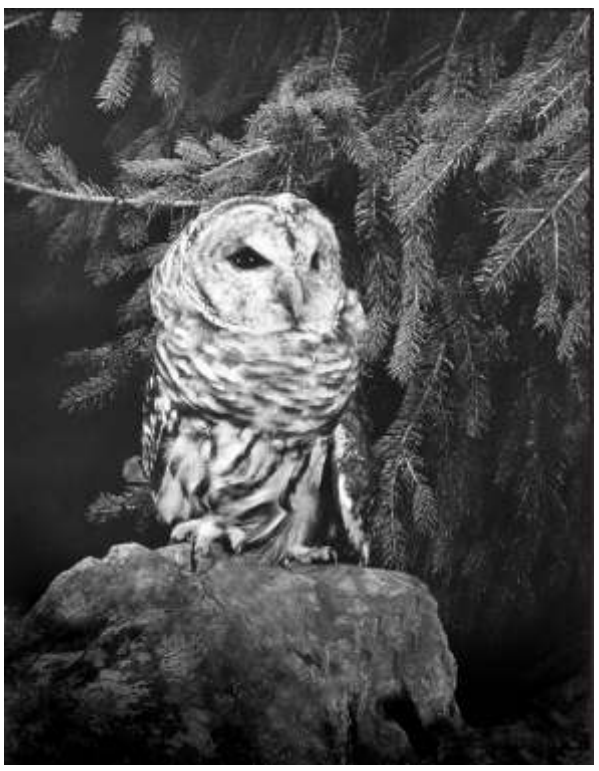

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGGC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

कैमरे के अपग्रेड वर्जन, परेशानी का सबब या तरक्की का हाईवे

गणेश शर्मा
मेंटर एवं वेडिंग फोटोग्राफर

क्या आप भी कैमरों के नए-नए मॉडल्स लांच होने से परेशान हैं? अगर हाँ तो यह लेख आपकी परेशानी दूर करने में मददगार हो सकता है।

क्या आप बड़े शयनकक्ष जितने बड़े कैमरे के साथ आज काम कर सकते है? आपका जवाब होगा नहीं, अगर तकनीक निरंतर प्रगतिशील न होती और निरंतर बदलाव न हुए होते तो कैमरे हमारे जेब न होते, बल्कि ट्रैक्टर पर होते, शायद आपको पता न हो कैमरे अपने प्रारम्भिक काल में लगभग शयनकक्ष जितने बड़े होते थे।

क्या आप रील कैमरे से फोटो क्लीक कर के सोशल मिडिया पर शेयर करने अथवा त्वरित मेल भेजने के बारे सोच सकते है? पुराने कैमरों से लाइव कर सकते हैं? आपका जवाब होगा नहीं, कुछ वर्ष पहले उपरोक्त कार्य सम्भव नहीं थे पर आधुनिक तकनीक ने हमारे जीवन को आसान बना दिया, आज सभी पुरानी व्यवस्थाए लगभग समाप्त हो गयी है, कैमरे में रोल लोड करना, फोटो खींचने के बाद रील की धुलाई इत्यादि अब गुजरे ज़माने की बार है, जब भी कुछ नए बदलाव होते है वह थोड़े तकलीफदेह होते है, सहज स्वीकार्य नहीं होतें है, तकनीक के बदलाव के साथ चले अथवा अलग चले यह आपका अपना व्यक्तिगत फैसला होता है।

सोशल मिडिया पर नित नए-नए कैमरों की लांचिंग के विरोध में विभिन्न प्रकार के लेख अक्सर प्रसारित होते रहते हैं, जिनमें विभिन्न कैमरा कंपनियों द्वारा नए-नए मॉडल्स की लांचिंग के विरोध में बहुत कुछ लिखा होता है, साथ में नए कैमरे नहीं खरीदने का निवेदन भी शामिल होता है, वहीं दूसरी तरफ बहुत से प्रोफेशनल फोटोग्राफर नए मॉडल्स की लांचिंग का इंतजार करते रहते हैं, जिस तरह से अपने पसंदीदा नायक-नायिकाओ के फिल्म की पहला शो देखने की चाहत होती है उसी प्रकार नए मॉडल का पहला कैमरा खरीदने अथवा बुक कराने वाले लोग भी फोटोग्राफी क्षेत्र में मौजूद हैं।

आईये विचार करते हैं कि कैमरे के नए मॉडल हमारे लिए फायदेमंद हैं अथवा नुकसानदेह :

क्या आप यह मानते है कि केवल बेहतर कैमरे से ही बेहतर कार्य किया जा सकता है, अगर हाँ तो नए मॉडल के लांच होने पर आपका परेशान होना स्वाभाविक है, वेडिंग फोटोग्राफी के क्षेत्र में हर वर्ष नित नए-नए फोटोग्राफार प्रवेश करते हैं, ज्यादातर नव व्यवसायी तकनीकी रूप से मजबूत नहीं होते हैं, मैंने व्यवसायी शब्द का प्रयोग सोच समझ कर किया है, क्योंकि सिर्फ बेहतर कैमरा खरीद लेने से कोई आर्टिस्ट नहीं बन सकता है पर व्यवसायी बन सकता है, केवल कैमरा ले कर व्यवसाय प्रारम्भ करने वालों को अपना काम चलाने के लिए रेट से समझौता करना होता है, कई बार इन नवप्रवेशी व्यवसायियों को काम उन्हें अपने कला के बदौलत नहीं बल्कि कैमरे के मॉडल के नाम पर मिलता है, और जैसे ही नए मॉडल लांच होते हैं, केवल कैमरा मॉडल के नाम पर काम लेने वालो को नया मॉडल लेना मजबूरी हो जाता है।

यह समस्या केवल नवप्रवेशी व्यवसायी फोटोग्राफर के साथ ही नहीं अपितु पुराने स्थापित फोटोग्राफर के साथ भी होता है, इसके पीछे दक्षता का आभाव, फोटोग्राफी विषय पर कमजोर पकड़ अथवा आत्मविश्वास की कमी भी हो सकती है।

नए मॉडल कितने जरूरी?

बहुत पुरानी कहावत है कि बदलाव प्रकृति का नियम है, और यह नियम यहाँ भी लागू होता है, पर एक कटु सत्य यह है कि बदलाव सहज स्वीकार्य नहीं होते है, आज से लगभग 20 वर्ष पूर्व DSLR कैमरों का पदार्पण हुआ था, आज के मुकाबले कम दक्ष कैमरे थे, मेगा पिक्सल भी बहुत कम थे, और बैटरी लाइफ भी, पर इन DSLR कैमरों ने निगेटिव वाले कैमरों को चलन से बाहर कर दिया, पर अब DSLR कैमरे अपने अंतिम पड़ाव पर हैं, DSLR कैमरों का स्थान अब Mirrorless कैमरो ने ले लिया है, कई कंपनियों ने DSLR बनाना भी बंद कर दिया है, आगे भी बदवाल जारी रहेगा, आज की नई तकनीक कल फिर पुरानी हो जाएगी, यह बदलाव अनंतकाल तक चलता रहेगा, आने वाले समय में तकनीक इतनी बदल जाएगी कि जितनी हम सोच भी नहीं सकते, एक कटु सत्य यह है कि बदलते तकनीक के साथ जो स्वयं को नहीं अपडेट करेगा वह पिछड़ जायेगा, ऐसे सैकड़ो उदाहरण मिल जायेंगे कि जो स्वयं को बदलते समय के अनुसार नहीं बदल सके, शिखर पर होने के बावजूद अपडेट नहीं होने के कारण लगभग समाप्त हो गए, कोडक एवं नोकिया इसके ज्वलंत उदाहरण हैं।

अब एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह आता है कि **क्या हर नए मॉडल के कैमरों को खरीद कर ही हम अपडेट हो सकते है?**

जवाब है नहीं, नए कैमरे हमेशा अपनी जरूरत के मुताबिक लेने चाहिए किसी भ्रम वश नहीं, कुछ भ्रम जो प्रचलित है, वो निम्नलिखित है -

1. ज्यादा मेगापिक्सल यानि ज्यादा अच्छा कैमरा - यह सर्वाधिक व्याप्त भ्रम है कि केवल ज्यादा मेगापिक्सेल वाला कैमरा ही अच्छे परिणाम देता है, जबकि अच्छे परिणाम हेतु केवल मेगापिक्सेल ही उत्तरदायी नहीं होते हैं।

2. नया है तो अच्छा ही होगा - केवल इसलिए कोई कैमरा ले लेना कि यह नई तकनीक वाला कैमरा है तो बेहतर परिणाम देगा, कई बार यह नुकसानदेह होता है, अगर आप नई टेक्नोलॉजी वाला कैमरा ले रहे है तो आपको उस मॉडल की पूरी जानकारी प्राप्त करने के बाद ही कार्य प्रारम्भ करना चाहिए, अन्यथा लाभ के स्थान पर हानि पहुँचती है, 2 उदाहरण निम्नलिखित हैं -

उदाहरण-1 Eye AF, यह फीचर केवल नए मिररलेस कैमरों में उपलब्ध हैं, DSLR में यह फीचर उपलब्ध नहीं है, जब Eye AF मोड़ on रहता है तो आँखों पर ऑटो फोकस करता है, पोर्ट्रेट एवं कैंडिड फोटोग्राफी हेतु यह एक करिश्माई फीचर है, परन्तु बिना पूरी जानकारी के यह कब गड़बड़ करता है इसका विवरण प्रस्तुत है, जयमाल अथवा सगाई में रिंग सेरेमनी शूट करते समय कपल का साइड फेस कैमरे के सामने होता है और स्टेज के पीछे अगर कोइ खड़ा होता है तो यह फीचर उस समय उन्हें फोकस करता है, परिणाम स्वरूप आपका मुख्य सब्जेक्ट आउट ऑफ़ फोकस हो जाता है।

उदाहरण-2 Electronic Viewfinder (EVF) यह फीचर भी केवल मिररलेस कैमरों में होता है, इसको on करने पर क्लिक करने के बाद मिलने वाले परिणाम पूर्व में ही स्क्रीन पर दिखाई पड़ते है, इसके उपयोग से एक नया फोटोग्राफर भी बेहतर एक्सपोज़र प्राप्त कर सकता है, अगर आप कैमरे के साधारण फ्लैश प्रयोग करते है तो यह फीचर कार्य नहीं करता है, आपको स्क्रीन पर दिखाए जा रहे परिणाम प्राप्त नहीं होते है, केवल एडवांस कैमरा नहीं वल्कि एडवांस फ्लैश भी जरूरी है।

3. दूसरों की नकल अथवा भेड़चाल - मेरे कम्पटीटर फोटोग्राफर के पास नया मॉडल है अतः मुझे भी वही या उससे नया मॉडल खरीदना चाहिए, भले ही मैंने केवल 6 महीने पहले अपना कैमरा खरीद कर किट अपडेट किया है, अगर कोई इस सोच के साथ कैमरा इत्यादि खरीदता है तो यह एक गलत सोच है, कोइ भी कैमरा अपनी जरूरत के अनुसार खरीदना चाहिए, न कि किसी की देखा देखी, अगर आपको ट्रेडिशनल अथवा सामान्य फोटोग्राफी करनी है और आप किसी कम्पनी के टॉप मॉडल कैमरा सिर्फ किसी के नकल करते हुए खरीदते है तो यह अनुचित है।

4. बेहतर परिणाम की चाह - जब हम अपनी जानकारी और परिश्रम के पूरे प्रयोग के बाद भी बेहतर परिणाम नहीं प्राप्त कर पाते है तो हम नए मॉडल के प्रति आकर्षित होते है, केवल यह सोच कर कि नया कैमरा हमारे काम को बेहतर बना देगा, कैमरा तो नया ले लेते हैं और काम का ढंग वही पुराना होता है, 50% से ज्यादा मामलो में नया कैमरा लेने के बाद भी परिणाम ज्यादा अच्छे नहीं मिलते हैं।

कैमरा कब बदलना चाहिए अथवा अपडेट मॉडल खरीदना चाहिए?

बहुत लोग कैमरे को 10-12 वर्ष तक चलाते रहते है, या तब तक चलते रहते है, जब तक कैमरा काम करना बंद न कर दे, और कुछ लोग हर 6-8 महीने पर बेहतर परिणाम के चाहत में नए-नए मॉडल बदलते रहते है, यह दोनों ही अच्छी आदत नहीं है। कैमरा नया खरीदते समय जितनी वारंटी कंपनी द्वारा मिलती है वह कैमरे की औसत आयु मान सकते है, अगर आपके पास काम की अधिकता रहती है, अपने कैमरे का बहुत ज्यादा उपयोग करते है तो वारंटी समाप्त होने तक ही कैमरे का प्रयोग करना चाहिए, उसके बाद नए मॉडल की और अग्रसरित होना चाहिए, क्योंकि हर कैमरे की शटर लाइफ तय होती है, शटर लाइफ का पूरा उपयोग हो जाने के कुछ समय बाद कैमरे का रिजल्ट सॉफ्ट होने लगता है, वहीं दूसरी ओर अगर आपके कैमरे का ज्यादा उपयोग नहीं होता है, तो वारंटी के दोगुने समय तक ही कैमरे का प्रयोग करना चाहिए, यह मेरी व्यक्तिगत राय है।

जब कैमरा बदलने पर भी बहुत बेहतर परिणाम प्राप्त न हो रहे हैं तो क्या करें?

अगर आपने बेहतर परिणाम की उम्मीद से कैमरा खरीदा, उसके बाद भी आपको अच्छे परिणाम नहीं मिल रहे हैं तो आपको कुछ और बदलाव करने की आवश्यकता है-

1. किट लेंस के स्थान पर बेहतर लेंस का प्रयोग करें।
2. कैमरे की सेटिंग की सटीक जानकारी प्राप्त करें।
3. बेहतर लाइट का उपयोग करें।
4. Raw में शूट करें।
5. पोस्ट प्रोडक्टशन को बेहतर करने हेतु प्रयास करें।

STUDIO NEWS
लखनऊ, मंगलवार, 6 शुक्रवार 2020 से 5 दिसम्बर 2020

फोटोग्राफी सिर्फ सच ही नहीं दिखाता बल्कि उस सच के बारे में आपकी राय भी प्रदर्शित करता है। - आरोन सिसकिंड

चाइल्ड फोटोग्राफी और पोस्ट प्रोडक्शन

अभिनीत सेठ
चाइल्ड फोटोग्राफर

हेलो दोस्तों। उम्मीद है आप सब अच्छे होंगे। जैसा की पिछले अंक में आपलोग ने ये पढ़ा की इनडोर शूट करते वक्त आपको किस तरह के लाइट सेटअप और किस तरह के बैकड्रॉप सेटअप की आवश्यकता पड़ती है। जैसे लाइट सेटअप में विंडो लाइट , एक्सटर्नल लाइट्स, अम्ब्रेला लाइट्स, सॉफ्टबॉक्स, पोर्टा लाइट्स वग़ैरा का यूज़ किया जाता है, उसी तरह से बैकड्रॉप के लिए वैरायटी ऑफ क्लॉथ्स और पेपर का यूज होता है। दोस्तों पिछले आर्टिकल में हमने एक और इम्पोर्टेन्ट कंटेंट का जिक्र किया था और वो था पोस्ट प्रोडक्शन। यहाँ पे पोस्ट प्रोडक्शन का मतलब फोटोस की एडिटिंग से हैं। हमारी आँखें, जैसी तसवीरें, हमारे दिमाग में कैद करती हैं वैसी ही तस्वीर कैमरा अपने सेंसर में कभी भी कैद नहीं करता। इसीलिए कहा जाता है की एक अच्छी तस्वीर आपको हमेशा बनानी पड़ती हैं, ना कि खीचनी पड़ती हैं। यही कारड हैं की किसी भी अच्छे रिजल्ट के लिए अच्छे पोस्ट प्रोडक्शन यानि की अच्छी एडिटिंग की जरूरत पड़ती ही पड़ती हैं। अच्छी एडिटिंग के लिए एक अच्छा शूट होना बहोत ज़रूरी होता हैं। एक प्रॉपर बैलेंस्ड शूट और अच्छी एडिटिंग ही आपको एक अच्छी फोटोस रिसल्ट के रूप में देती हैं। एडिटिंग के लिए बहोत से सॉफ्टवेयर आते हैं-सबसे फेमस सॉफ्टवेयर एडोब का "फोटोशॉप" हैं। फोटोशॉप कई सालो से फोटोस की एडिटिंग में यूज होता आ रहा है। ये अच्छी हाई क्लास एडिटिंग के लिए बहोत ही लोकप्रिय सॉफ्टवेयर है। फोटोशोप में आप हर लेवेल की एडिटिंग कर सकते हैं। खास तौर से जब आपको लेयर्स पे काम करना हो तो। जब एक साथ कई पिक्चर्स या कंटेंट पे काम करते है तो आपको फोटोशोप की ही जरूरत सबसे ज्यादा पड़ती हैं। बहोत बार ऐसा हुआ हैं की छोटे से काम के लिए भी आपको फोटोशोप का पूरा प्रोसेस फॉलो करना पड़ता हैं। काफी अडवांस होने की वजह से कभी कभी फोटोशोप पे काम करना काफी टफ हो जाता हैं। ऐसा लगता है की कुछ आसान विकल्प हो एडिटिंग के लिए तो और भी अच्छा हो जाए। इसी दि त को ध्यान में रखते हुए एडोबे ने ही, एक और सॉफ्टवेयर बाजा में उतारा जिसका नाम "लाईट-रूम" रक्खा गया। लाईट-रूम एक बहोत ही आसान और यूज़फुल सॉफ्टवेयर हैं। अगर आपको सिर्फ फोटोस के करेक्शन की जरूरत हो, और वो भी बहोत ढेर सारी फोटोस को जल्दी जल्दी करेक्शन करना हो तो, लाईट-रूम से अच्छा कोई सॉफ्टवेयर नहीं हैं। लाईट-रूम के फीचर्स बहोत ही सिंपल और बहोत ही उपयोगी हैं। लाईट-रूम आपको बहोत से ऐसे फीचर्स देता हैं जो नॉर्मली फोटोशोप में सिर्फ राव फ़ाइल की विंडो में मिलती है। इसके अलावा आपको बेसिक फीचर्स में एक्सपोसर-कंट्रास्ट-हाईलाईट्स-शैडोस-क्लारिटी-वाइब्रेंस-कलर क्रेक्शन-शर्पेनिंग-लेंस कारेक्शन इत्यादि आपको मिल जाते हैं। अब आप ऐसे समझिए की एक अच्छे शूट के लिए आपको आखिर कितनी कुछ चीजों को कंसिडर करना पड़ता हैं- अच्छी लोकेशन, अच्छी लाईटनिंग, प्रौपर एडिटिंग तब जाकर एक अच्छा कंटेंट बाहर आता है। इसीलिए आपके पास हर तरह की जानकारी होना बड़ा ही इम्पोर्टेन्ट होता है। शूट के दौरान आपको ये कैलकुलेशन करनी पड़ती हैं की आप किस एपर्चर-शटर-आइसो पे फोटोज खींचे ताकि कुछ पार्ट एडिटिंग के लिए छोड़ा जा सके। एडिटिंग के पार्ट में सिर्फ इम्पोर्टेन्ट एनहांसमेंट ही किये जाते हैं। शूटिंग के वक़्त आपका उद्देश्य सिर्फ इतना होना चाहिए की आप फोटो के अंदर मैक्सिमम डिटेल्स डाल सके और वो डिटेल्स एडिटिंग के टाइम पे प्रॉपर एक्सपोज़र के साथ बहार आएं। अक्सर ऐसा देखा गया है की शूट के दौरान का रिजल्ट और उसके बाद एडिटिंग के बाद के रिजल्ट में जमीन-आस्मां का अंतर दिखता है। आज के टाइम पे सॉफ्टवर्स के टूल्स और शूट के डिटेल्स के साथ आप एक शानदार आउटपुट दे सकते हैं। अक्सर आउटडोर शूट्स में होता है की चाहे लोकेशन के चलते चाहे लाइटनिंग के चलते चाहे सब्जेक्ट के चलते, कुछ न कुछ कमी रह जाती हैं , उस कमी को आप बहोत हद तक एडिटंग में संभाल सकते हैं। अगर आपने वाकई अपने कैमरे के साथ वक़्त बिताया है तो आपको ये बातें अच्छे से पता होगा की सिर्फ और सिर्फ अच्छी जानकारी के चलते आप अपने कैमरे से क्या क्या कमाल कर सकते हैं। अच्छी फोटोज में अच्छे मोमेंट्स का कैप्चर होना उतना ही इम्पोर्टेन्ट है जितना आपके कैमरे में अच्छी सेटिंग्स का होना जरूरी होता हैं। अच्छे मोमेंट्स के लिए आपको बहोत पेशंस रखना पड़ता है। हर वक़्त अपनी आँख को कैमरे के साथ लगा के रखना पड़ता है ताकि कोई भी इम्पोर्टेन्ट शॉट मिस न हो जाए। मैंने बहोत बार ऐसा देखा है की लोगो के मन में एक वेहम बैठा होता है की फोटोज़ में एडिटिंग करना एथिकल नहीं होता। जबकि ये धारणा बहोत गलत है। बिना एडिटिंग के आप फोटोज को प्रोफेशनल लुक नहीं दे सकते। आपकी आँखें जो देखती है वैसा हूबहू कैमरा आपको रिजल्ट नहीं दे सकता। आपको वैसा प्रोफेशनल रिजल्ट लेने के लिए पोस्ट प्रोसेसिंग करनी ही पड़ती है। और फोटोज कैप्चर करते वक़्त भी इस बात का ध्यान रखना पड़ता है की आपकी फोटोज में एडिटिंग के लिए स्कोप जरूर होना चाहिए। तो इस तरह से आपकी अटेंटीवनेस् , आपकी नॉलेज और आपकी एडिटिंग स्किल से आप एक बेहतरीन आउटपुट दे सकते हैं। इस अंक में दोस्तों इतना ही मिलेंगे अगली बार दोबारा एक नए टॉपिक और नॉलेज के साथ, अपना बहोत ख्याल रक्खें। बाय।

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 0522-4108575, ई-मेलः infostudionewsup@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in